Date : 7 जून 2023

मिष्टी योजना

सिलेबस: जीएस 3 / पर्यावरण और पारिस्थिकी

संदर्भ-

- विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून, 2023) के अवसर पर, प्रधानमंत्री ने **मिष्टी MISHTI (तटरेखा आवास और मूर्त आय के लिए मैंग्रोव पहल)** लॉन्च की। इस योजना की घोषणा पहली बार केंद्रीय वित्त मंत्री ने 2023-24 के केंद्रीय बजट में की थी।

मिष्टी (तटरेखा आवास और मूर्त आय के लिए मैंग्रोव पहल)-

- **लक्ष्य:** शुरुआत में देश भर के नौ राज्यों को कवर किया जाएगा। कुल मिलाकर, इस योजना में वित्त वर्ष 2023-24 से शुरू होने वाले पांच वर्षों में 11 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में फैले लगभग 540 वर्ग किलोमीटर को कवर करने वाले मैंग्रोव के विकास की परिकल्पना की गई है।
- **लाभ:** यह योजना समुद्र के बढ़ते स्तर और चक्रवात जैसी आपदाओं से तटीय क्षेत्रों में जीवन और आजीविका के खतरे को कम करने में मदद करेगी।
- **रणनीति:** इसमें सार्वजनिक-निजी भागीदारी मार्ग के माध्यम से वृक्षारोपण, प्रबंधन, संरक्षण उपायों और संसाधन जुटाने पर सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना शामिल है।
- **वित्त पोषण:** केंद्र इस परियोजना के लागत का 80% तथा जबकि राज्य सरकारें शेष 20% का योगदान करेंगी।

मैंग्रोव वन-

- एक मैंग्रोव एक छोटा पेड़ या झाड़ी है जो समुद्र तट के किनारे उगता है, इसकी जड़ें अक्सर पानी के नीचे नमकीन तलछट में होती हैं।
- मैंग्रोव पेड़ दलदल में भी उगते हैं और इस पेड़ में फूल भी पाए जाते हैं, जो राइजोफोरेसी, एकेंथेसी, लिथ्रेसी, कॉम्ब्रेटेसी और अरेकेसी परिवारों से संबंधित हैं
- मैंग्रोव नमक सहिष्णु पौधे समुदाय हैं जो दुनिया के उष्णकटिबंधीय और उप-उष्णकटिबंधीय अंतर्ज्वारीय क्षेत्रों में पाए जाते हैं। ऐसे क्षेत्रों में उच्च वर्षा (1,000 से 3,000 मिमी के बीच) और तापमान (26 डिग्री सेल्सियस-35 डिग्री सेल्सियस के बीच) की विशेषता है।
- वे अत्यधिक प्रतिकूल वातावरण, जैसे उच्च नमक और कम ऑक्सीजन की स्थिति, में भी जीवित रह सकते हैं।
- मैंग्रोव वन को ज्वारीय वन भी कहा जाता है क्योंकि यह वन नमक और मीठे पानी दोनों में रह सकता है। यह ज्वारीय क्षेत्रों में भी जीवित रह सकता है।

मैंग्रोव का महत्व-

- **कार्बन सिंक:** मैंग्रोव वन स्थलीय जंगलों की तुलना में प्रति हेक्टेयर दस गुना अधिक कार्बन संग्रहीत कर सकते हैं। इसके अलावा, वे भूमि आधारित उष्णकटिबंधीय वर्षावनों की तुलना में 400 प्रतिशत तेजी से कार्बन का भंडारण कर सकते हैं।

- **ब्लू कार्बन:** एक बार जब पत्ते और पुराने पेड़ मर जाते हैं तो वे समुद्र तल पर गिर जाते हैं और संग्रहीत कार्बन को अपने साथ मिट्टी में दबा लेते हैं। इस दबे हुए कार्बन को "ब्लू कार्बन" के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह मैंग्रोव जंगलों, समुद्री घास और नमक के दलदल जैसे तटीय पारिस्थितिक तंत्र में पानी के नीचे जमा होता है।
- **आपदा प्रबंधन:** इसके अलावा, मैंग्रोव वन बढ़ते ज्वार और तूफान के खिलाफ प्राकृतिक बाधाओं के रूप में कार्य करते हैं। हर साल, वे $ 65 बिलियन से अधिक की संपत्ति के आर्थिक नुकसान को रोकते हैं।
- **जैव विविधता:** वे समुद्री जैव विविधता के तटों को स्थिरता प्रदान करते हैं और बहुत से प्राणी, मछली और पक्षी जातियों को निवास व सुरक्षा प्रदान करते हैं। वैश्विक मछली आबादी का 80% स्वस्थ मैंग्रोव पारिस्थितिक तंत्र पर निर्भर करता है।
- **रोजगार:** वे एक समृद्ध खाद्य जाल का भी निर्माण करते हैं, जिसमें मोलस्क और शैवाल की बहुविविधता तथा छोटी मछलियों, केकड़ों और झींगा के लिए प्रजनन स्थल के रूप में कार्य करते हैं, इस प्रकार स्थानीय कारीगर मछुआरों को आजीविका प्रदान करते हैं।

खतरों-

- ग्लोबल मैंग्रोव एलायंस ने अपनी 2022 की रिपोर्ट में कहा कि 2010 और 2020 के बीच, लगभग 600 वर्ग किमी मैंग्रोव खत्म हो गए, जिनमें से 62% से अधिक मानव के प्रत्यक्ष प्रभावों के कारण था।
- मैंग्रोव आवासों में उल्लेखनीय कमी आई है जिसमें मानवीय और प्राकृतिक दोनों कारण शामिल रहे जैसे- बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में औद्योगिक विस्तार और सड़कों और रेलवे का निर्माण तथा प्राकृतिक प्रक्रियाएं में समुद्र तटों को स्थानांतरित करना, तटीय क्षरण और तूफान आदि।

मैंग्रोव कवर: दुनिया भर में

- वैश्विक वन संसाधन आकलन, 2020 (एफआरए 2020) के अनुसार, दुनिया भर में, 113 देशों में अनुमानित दुनिया में कुल मैंग्रोव कवर 1,50,000 वर्ग किलोमीटर है।
- एशिया में मैंग्रोव की मात्रा विश्व में सबसे अधिक है।
- इंडोनेशिया में सबसे अधिक मैंग्रोव हैं, जो दुनिया के कुल 30% के लिए जिम्मेदार हैं, इसके बाद ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और भारत हैं।

मैंग्रोव कवर: भारत

- भारत वन स्थिति रिपोर्ट-2021 के अनुसार, देश में मैंग्रोव कवर 4,992 वर्ग किमी है, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्र का 0.15 प्रतिशत है। 2019 के बाद से मैंग्रोव में 17 वर्ग किमी. की वृद्धि देखी गई है।
- दक्षिण एशिया में कुल मैंग्रोव कवर में भारत का योगदान 8% है।
- पश्चिम बंगाल में भारत के मैंग्रोव कवर का 42.45% (मुख्य रूप से सुंदरबन के कारण) है, इसके बाद गुजरात (23.66%) और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (12.39%) हैं। महाराष्ट्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, गोवा और केरल में मैंग्रोव कवर वाले अन्य राज्य हैं।

महत्वपूर्ण तथ्य-

- प्रति वर्ष 26 जुलाई को मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है।
- इसका उद्देश्य मैंग्रोव पारिस्थितिक तंत्र के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उनके स्थायी प्रबंधन और संरक्षण को बढ़ावा देना है।
- यह दिवस 2015 में यूनेस्को द्वारा नामित किया गया था।

स्रोत: लाइव मिंट

Rajiv Pandey

Yojna IAS योजना है तो सफलता है yojnaias.com

अंतर्दृष्टि (वित्तीय समावेशन)

सिलेबस: जीएस 3 / भारतीय अर्थव्यवस्था

संदर्भ-

- हाल ही में, भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने 'अंतरदृष्टि' नाम से एक वित्तीय समावेशन डैशबोर्ड लॉन्च किया।

प्रमुख बिन्दु-

अंतर्दृष्टि-

- डैशबोर्ड प्रासंगिक मानकों को कैप्चर करके**वित्तीय समावेशन की प्रगति** का आकलन और निगरानी करने के लिए आवश्यक मानक प्रदान करेगा।
- अंतरदृष्टि डैशबोर्ड के जरिए वित्तीय समावेशन की प्रगति का आकलन तय मानकों के अुनरूप किया जाएगा।
- डैशबोर्ड की मदद से देश में व्यापाक स्तर पर वित्तीय सेवाओं की कमी वाले क्षेत्रों का पता लगाया जा सकेगा और फिर इसके आधार पर काम किया जाएगा।

वित्तीय समावेशन-

- **अर्थ:** वित्तीय समावेशन समिति ने वित्तीय समावेशन को " कमजोर वर्गों और निम्न आय वर्ग के लोगों को उनकी आवश्यकतानुसार वहाँ करने योग्य लागत पर समय से वित्तीय सेवाएँ तथा पर्याप्त ऋण उपलब्ध सुनिश्चित कराने की एक प्रक्रिया " के रूप में परिभाषित किया है।
- वित्तीय समावेशन का मुख्य उद्देश्य उन प्रतिबंधों को दूर करना है जो वित्तीय क्षेत्र में भाग लेने से लोगों को बाहर रखते हैं और किसी भी प्रकार के भेदभाव के बिना उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वित्तीय सेवाओं को उपलब्ध करना है।
- **पृष्ठभूमि** वित्तीय समावेशन की अवधारणा को पहली बार **भारत में आधिकारिक रूप से 2005 में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा** पेश किया गया था।

वित्तीय समावेशन के उद्देश्य-

1. लोगों को संस्थागत बैंकिग व्यवस्था से जोड़ना जिससे जमा करने की प्रवृत्ती का जन्म दिया जा सके ।
2. लोगों को संस्थागत ऋण की प्राप्ती सुनिश्चित कराना जिससे साहूकारो पर निर्भरता को कम कर ऋणी को शोषण से बचाया जा सके ।
3. किसी भी प्रकार के लाभ, परिदान एवं बीमा जैसी सामाजिक सुरक्षा लाभार्थी तक प्रत्यक्ष रूप से पहुचाया जा सके ।
4. वित्तीय समावेशन का मुख्य उदेश्य उन प्रतिबंधों को दूर करना है जो वित्तीय क्षेत्र में भाग लेने से लोगों को बाहर रखते है और किसी भी प्रकार के भेदभाव के बिना उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वित्तीय सेवाओं को उपलब्ध करना है।

वित्तीय समावेशन का महत्व-

- वित्तीय समावेशन आर्थिक संसाधनों की उपलब्धता को मजबूत करता है और गरीबों के बीच बचत की अवधारणा का निर्माण करता है।
- वित्तीय समावेशन समावेशी विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह वंचित आबादी के समग्र आर्थिक विकास में मदद करता है।
- भारत में, गरीब और वंचित लोगों को संशोधित वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के साथ प्रदान करके उनके उत्थान के लिए प्रभावी वित्तीय समावेशन की आवश्यकता है।

वित्तीय समावेशन प्राप्त करने में चुनौतियां-

- अपर्याप्त बुनियादी अवसंरचना (ग्रामीण हिमनलैंड के कुछ हिस्सों में, हिमालयी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में दूर दराज के क्षेत्रों में)
- ग्रामीण क्षेत्रों में खराब टेली और इंटरनेट कनेक्टिविटी,
- सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाएँ,
- ग्रामीण व शहरी, अमीर व गरीब के मध्य असमानता वह डिजिटल गेप की खाई।
- प्रशासनिक व राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव।

Yojna IAS योजना है तो सफलता है yojnaias.com

सरकारी पहल–

प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई)-

- प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) राष्ट्रीय वित्तीय समावेशन मिशन है जो वहनीय तरीके से वित्तीय सेवाओं नामतः, बैंकिंग/बचत तथा जमा खाते, विप्रेषण, ऋण, बीमा, पेंशन तक पहुंच सुनिश्चित करता हो।
- इसे पीएम मोदी ने अगस्त 2014 में लॉन्च किया था।

पीएमजेडीवाई के तहत लाभ-

1. जमा राशि पर ब्याज।
2. एक लाख रुपए का दुर्घटना बीमा कवर।
3. प्रधान मंत्री जन धन योजना के अंतर्गत रू0 30,000 का जीवन बीमा लाभार्थी को उसकी मृत्यु पर सामान्य शर्तों की प्रतिपूर्ति पर देय होगा
4. भारत भर में धन का आसानी से निकासी।
5. सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को इन खातों से लाभ अंतरण प्राप्त होगा।
6. पेंशन, बीमा उत्पांदों तक पहुंच।
7. प्रधान मन्त्री जन धन योजना के अन्तर्गत व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा
8. छः माह तक इन खातों के संतोषजनक परिचालन के पश्चात ओवरड्राफ्ट की सुविधा दी जाएगी। प्रति परिवार, मख्यत: परिवार की स्त्री के लिए सिर्फ एक खाते में 5,000/- रुपए तक की ओवरड्राफ्ट की सुविधा उपलब्ध है।

वित्तीय समावेशन (एफआई) सूचकांक

- वित्तीय समावेशन सूचकांक की अवधारणा एक **व्यापक सूचकांक** के रूप में की गई है जिसमें सरकार और क्षेत्रीय नियामकों के परामर्श से बैंकिंग, बीमा, निवेश, डाक तथा पेंशन क्षेत्र का विवरण शामिल है।
- इसे RBI द्वारा वर्ष 2021 में **बिना किसी 'आधार वर्ष' के** विकसित किया गया था और प्रत्येक वर्ष जुलाई में प्रकाशित किया जाता है।

भारत में अन्य वित्तीय समावेशन योजनाएं

- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना,
- प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना
- अटल पेंशन योजना
- वृद्धा पेंशन बीमा योजना
- अनुसूचित जातियों के लिए ऋण वृद्धि गारंटी योजना
- सुकन्या समृद्धि योजना।

स्रोत: बीएस

Rajiv Pandey

Yojna IAS योजना है तो सफलता है
yojnaias.com